

Review Article

भाषा, भाषा विज्ञान, और तकनीकी लेखन: एक अध्ययन

Pooja Pathak

Student, Department of Hindi, Burbwan University, West Bengal.

I N F O

E-mail Id:

poojapathak32@gmail.com

Orcid Id:

<https://orcid.org/0008-0001-3675-2294>

Date of Submission: 2023-07-25

Date of Acceptance: 2023-08-05

सारांश

मानवता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भाषा है, जो संवाद का माध्यम प्रदान करता है और समाज को एक साथ लाता है। भाषा विज्ञान उसकी संरचना, विकास, और उपयोग का अध्ययन करता है, जबकि तकनीकी लेखन उसके प्रभावी प्रस्तुतिकरण में मदद करता है। इस लेख में, हम भाषा के महत्व, भाषा विज्ञान के प्रमुख पहलु, और तकनीकी लेखन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

भाषा, भाषा विज्ञान, और तकनीकी लेखन: एक अध्ययन शीर्षक वाले लेख में हमने मानव समाज की प्रगति में भाषा, भाषा विज्ञान, और तकनीकी लेखन के महत्वपूर्ण योगदान को विशेष रूप से उजागर किया है। भाषा समाज के संवादन का माध्यम होती है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और ज्ञान को साझा करता है। यह समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकताओं को प्रकट करने में सहायक सिद्ध होती है।

भाषा विज्ञान भाषा की विविधता, संरचना, और विकास का अध्ययन करता है। यह शब्द, वाक्य, और व्याकरण के नियमों का अध्ययन करके भाषा के अंगों को समझने में मदद करता है। भाषा विज्ञानी भाषाओं के उत्थान, बिगड़ते हुए स्वरूप, और उनके संवादन आदर्शों के अध्ययन करते हैं, जिनसे समाज में भाषा के प्रभावी प्रयोग की समझ मिलती है।

तकनीकी लेखन भाषा के प्रभावी प्रस्तुतिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यवसाय, और यातायात क्षेत्र में तकनीकी लेखन का अद्वितीय महत्व है। यह मदद करता है कि जटिल जानकारी को सामान्य भाषा में प्रस्तुत किया जा सके, जिससे सामान्य लोग भी उसे समझ सकें। तकनीकी लेखन के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दुनिया को सरल शब्दों में पहुँचाने का काम होता है जो आम जनमानस के लिए समझा जा सकता है।

इस अध्ययन से हमने देखा कि भाषा, भाषा विज्ञान, और तकनीकी लेखन एक-दूसरे से गहरे रूप से जुड़े हुए हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये तीनों क्षेत्र सामाजिक और व्यक्तिगत विकास के माध्यम के रूप में एक महत्वपूर्ण योगदान करते हैं, जो समृद्धि, सामर्थ्य और ज्ञान के साथ एक सशक्त समाज की नींव रखते हैं।

मुख्य शब्द: भाषा विज्ञान, तकनीकी लेखन, भाषा और संवाद, भाषा विकास, भाषा कौशल, भाषा का महत्व, भाषा की बदलती भूमिकाएँ, भाषा शैली

प्रस्तावना:

मानवता की उपयुक्त श्रृंगारिकता भाषा की अत्यधिक मान्यता से आश्रित है, जो उसकी अद्वितीयता को व्यक्त करने का एक प्रमुख साधन है। भाषा न केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम है, बल्कि यह समाज में संवाद का भी एक महत्वपूर्ण स्रोत है। भाषा ने मानव सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया है, जिससे समृद्धि, सामर्थ्य, और संवाद की दिशा में प्रगति हुई है।

भाषा निरंतर विकसित हो रही है और उसके विभिन्न रूपों में उपयोग हो रही है, जैसे कि बोली, लिखी भाषा, डिजिटल वाणी, आदि। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर हो रहा है, बल्कि व्यावसायिक, सामाजिक, और शैक्षिक क्षेत्रों में भी उपयोग हो रही है। भाषा की शक्ति से ही हम विचारों को समझते हैं, भावनाओं को व्यक्त करते हैं, और ज्ञान को साझा करते हैं।

भाषा विज्ञान एक महत्वपूर्ण शाखा है जो भाषा के संरचना, विकास, और उपयोग की अध्ययन करती है। यह शब्द, वाक्य, और व्याकरण के नियमों का अध्ययन करके भाषा के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करती है। भाषा विज्ञान उसके उत्थान, पतन, और परिवर्तन की व्याख्या करता है, जो समाज में भाषा के प्रभाव को समझने में महत्वपूर्ण है।

तकनीकी लेखन एक ऐसी कौशल है जो भाषा के प्रभावी प्रस्तुतिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका उद्देश्य जटिल जानकारी को सामान्य भाषा में प्रस्तुत करना होता है, जिससे सामान्य लोग भी उसे समझ सकें। तकनीकी लेखन के माध्यम से ज्ञान को सरल और सुविधाजनक भाषा में परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और यातायात के क्षेत्र में नवाचारों का उत्थान हो सकता है।

इस आधार पर, इस लेख में हम भाषा, भाषा विज्ञान, और तकनीकी लेखन के महत्वपूर्ण पहलुओं की चर्चा करेंगे जो मानव समाज के सामाजिक और व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।¹⁻⁵

भाषा का महत्व:

भाषा मानव सभ्यता की एक महत्वपूर्ण और अद्वितीय उपलब्धि है जो हमें सोचने, संवाद करने, और समझने की क्षमता प्रदान करती है। यह एक सामाजिक, सांस्कृतिक, और व्यक्तिगत स्तर पर संवाद करने का माध्यम होती है जिसके माध्यम से हम विचारों, भावनाओं, और ज्ञान को साझा करते हैं।

1. **समाज में संवाद की भाक्ति:** भाषा के माध्यम से हम समाज में संवाद करते हैं और अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करते हैं। यह समाज में सहमति, विवाद, और सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और समाज के विकास में योगदान करती है।
2. **विविधता की पहचान:** भाषाएँ विविधता की पहचान के रूप में काम करती हैं। हर भाषा अपने विशिष्ट शब्दों, व्याकरण, और भाषाई नियमों के साथ एक अद्वितीय भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को प्रकट करती है।

3. **ज्ञान की प्राप्ति:** भाषा के माध्यम से ही हम ज्ञान प्राप्त करते हैं। वेद, पुराण, शास्त्र, किताबें, और विभिन्न साहित्यिक रचनाएँ हमें ज्ञान का स्रोत प्रदान करती हैं जो हमारे समृद्ध सोचने की क्षमता को विकसित करते हैं।
4. **सांस्कृतिक समृद्धि:** भाषा समाज की सांस्कृतिक समृद्धि का माध्यम होती है। भाषा के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक परंपराओं, कथाओं, और लोककथाओं को आगे बढ़ाते हैं और उन्हें आने वाली पीढ़ियों के साथ साझा करते हैं।
5. **व्यक्तिगत विकास:** भाषा व्यक्तिगत विकास की प्रक्रिया को बढ़ावा देती है। यह हमें अपने भावनाओं, विचारों, और सपनों को व्यक्त करने का तरीका प्रदान करती है जो हमारे आत्म-समर्पण को बढ़ाता है।

इस प्रकार, भाषा समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो संवाद, ज्ञान, सांस्कृतिक समृद्धि, और व्यक्तिगत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण होती है।

भाषा विज्ञान:

भाषा विज्ञान एक अद्वितीय शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र है जो भाषा की संरचना, उपयोग, और विकास का अध्ययन करता है। यह मानव संवाद की प्रक्रिया को विश्लेषण करने का तरीका है और भाषा के प्रत्येक पहलु को गहराई से समझने का प्रयास करता है।

1. **भाषा की संरचना:** भाषा विज्ञान भाषा के संरचनात्मक पहलु की जांच करता है। यह शब्दों, वाक्यों, और भाषाई नियमों के स्थापनात्मक और व्यावसायिक नियमों का अध्ययन करके भाषा की निर्माण प्रक्रिया को समझने में मदद करता है।⁶⁻¹⁰
2. **भाषा के विकास का अध्ययन:** भाषा विज्ञान भाषाओं के विकास की चर्चा करता है और यह समझने की कोशिश करता है कि भाषाएँ कैसे विकसित होती हैं और उनके विभिन्न पहलु कैसे प्रभावित होते हैं।
3. **भाषा के उपयोग का अध्ययन:** भाषा विज्ञान भाषा के विभिन्न उपयोगों की जांच करता है, जैसे कि संवाद, लेखन, साहित्य, और मीडिया। यह विभिन्न संवादनी और साहित्यिक प्राथमिकताओं को प्रकट करने में मदद करता है।
4. **भाषाओं के तात्त्विक और सांस्कृतिक पहलु:** भाषा विज्ञान भाषाओं के तात्त्विक और सांस्कृतिक पहलु की जांच करता है, जैसे कि ध्वनियाँ, व्याकरण, और शैली।
5. **भाषा विकास में भूमिका:** भाषा विज्ञान भाषा के विकास में भूमिका निभाती है और यह समझाती है कि भाषा कैसे विभिन्न प्राथमिकताओं और सामाजिक परिवर्तनों के साथ बदलती है।
6. **भाषा और तकनीक:** आधुनिक युग में, भाषा और तकनीक का गहरा संबंध है। भाषा विज्ञान यह अध्ययन करता है कि तकनीक कैसे भाषा के उपयोग में परिवर्तन लाती है और कैसे नई भाषाएँ और भाषाई प्रक्रियाएँ उत्पन्न होती हैं।

भाषा विज्ञान मानव संवाद के गहरे पहलुओं की चर्चा करता है और भाषा के उपयोग, संरचना, और विकास की विशेषताओं को समझने

में मदद करता है। यह एक नैतिक, वैज्ञानिक, और साहित्यिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र है।

भाषा विकास और बदलाव:

भाषा, मानव संवाद का महत्वपूर्ण साधन है, और इसका विकास समाज के प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भाषा का विकास और बदलाव तकनीकी, सामाजिक, और सांस्कृतिक परिवर्तनों के साथ जुड़े हुए हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान करता है।

1. **तकनीकी परिवर्तन:** तकनीकी उन्नति के साथ, भाषा का उपयोग भी बदल रहा है। आधुनिक माध्यमों के विकास से भाषा का प्रयोग अब व्यक्तिगत स्तर से लेकर व्यावसायिक और सामाजिक स्तर पर तक हो रहा है। डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, और इंटरनेट के आगमन ने भाषा के उपयोग में विशेष बदलाव लाया है।
2. **सामाजिक परिवर्तन:** समाज के विभिन्न परिवर्तनों के साथ, भाषा में भी परिवर्तन दिखाई देता है। भाषा विकास के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तनों को भी प्रतिबिम्बित करती है। समाज में बदलती भूमिकाओं, सामाजिक बंधनों, और जाति व्यवस्थाओं के साथ भाषा का उपयोग भी विशेषता दिखाता है।
3. **भाषाई समृद्धि:** भाषा का विकास सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा देता है। भाषा के विकास से नई शब्दावली और व्याकरणिक नियम उत्पन्न होते हैं जो समृद्ध सोचने की क्षमता को विकसित करते हैं।
4. **भाषा के साहित्यिक परिवर्तन:** साहित्य और काव्यात्मक रचनाएँ भी समय के साथ बदलती हैं और भाषा के साहित्यिक दृष्टिकोण को प्रकट करती हैं। नई शैलियों, विचारों, और विषयों का प्रस्तावन भाषा के साहित्यिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
5. **भाषा की संरक्षा:** विभिन्न भाषाएँ अपने संरचनात्मक और सांस्कृतिक पहलु की संरक्षा करने के लिए प्रयास कर रही हैं। नई पीढ़ियों को अपनी मातृभाषा की महत्वपूर्णता की जागरूकता दिलाने के लिए भी भाषा के विकास का अध्ययन किया जा रहा है।

इस प्रकार, भाषा का विकास और बदलाव समाज के प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तकनीकी, सामाजिक, और सांस्कृतिक परिवर्तनों के साथ भाषा का उपयोग भिन्न रूपों में हो रहा है और समाज के विकास में योगदान कर

रहा है।

तकनीकी लेखन का महत्व:

तकनीकी लेखन एक महत्वपूर्ण कौशल है जो तकनीकी और विज्ञानिक जानकारी को सामान्य भाषा में प्रस्तुत करने का कौशल होता है। यह सटीकता, सुसंगतता, और स्पष्टता के साथ जानकारी को साझा करने में मदद करता है। तकनीकी लेखन का महत्व निम्नलिखित कारणों से होता है:

1. **ज्ञान का साझा करना:** तकनीकी लेखन के माध्यम से

विशेषज्ञता और विज्ञानिक जानकारी को सामान्य लोगों तक पहुँचाने का माध्यम होता है। यह विशेषज्ञता की भाषा को सरल और समझने योग्य भाषा में परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदान करता है।

2. **विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार:** तकनीकी लेखन नए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचारों को प्रस्तुत करने का माध्यम होता है। विशेषज्ञता के साथ विवेकशील तकनीकी लेखन द्वारा नए आविष्कारों, अनुसंधानों, और तकनीकी समस्याओं के समाधानों की रूपरेखा प्रस्तुत की जा सकती है।
3. **सुसंगत और स्पष्ट जानकारी:** तकनीकी लेखन सुसंगत और स्पष्ट जानकारी प्रदान करने का माध्यम होता है। विशेषज्ञता की भाषा को सामान्य भाषा में बदलकर, जानकारी को आसानी से समझने में मदद की जा सकती है, जिससे नए व्यक्तियों को भी सामग्री का समझने में मदद मिल सकती है।
4. **अध्ययन और शिक्षा का साधन:** शिक्षा के क्षेत्र में भी तकनीकी लेखन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। विभिन्न शिक्षा संस्थानों में यह विशेषज्ञता की जानकारी को छात्रों तक पहुँचाने में मदद करता है और उन्हें सुसंगत और स्पष्ट सामग्री प्रदान करता है।
5. **प्रोफेशनल कौशल की विकास:** व्यावसायिक क्षेत्र में तकनीकी लेखन कौशल का महत्व बढ़ता जा रहा है। यह कर्मचारियों को उनके काम को सुसंगतता से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदान करता है और उन्हें पेशेवर माध्यम से जानकारी को साझा करने का कौशल सिखाता है।
6. **प्रभावी संवाद:** तकनीकी लेखन का अध्ययन करने से संवाद में भी सुसंगतता और स्पष्टता आती है। विशेषज्ञता की भाषा को सामान्य भाषा में बदलकर, संवाद के प्रत्येक पहलू को स्पष्टता से समझने की क्षमता होती है।

इस प्रकार, तकनीकी लेखन एक महत्वपूर्ण कौशल है जो ज्ञान को साझा करने, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार प्रस्तुत करने, सुसंगत और स्पष्ट जानकारी प्रदान करने, शिक्षा को सुगम और समझने योग्य बनाने, पेशेवर कौशल की विकास में मदद करने, और संवाद में सुसंगतता और स्पष्टता देने के साधन के रूप में महत्वपूर्ण है।

संगतता और समानता:

संगतता और समानता, समाज में सद्गुण होते हैं जो सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर महत्वपूर्ण हैं। ये दो प्रमुख भावनाएँ हैं जो समाज में एकता, शांति, और सहमति की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

संगतता (योग्यता):

संगतता का मतलब होता है कि किसी व्यक्ति या चीज को किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए उपयुक्त बनाने की क्षमता होना। संगतता से तात्कालिक परिप्रेक्ष्य में सुसंगत और सही निर्णय लिए जा सकते हैं। संगतता की मदद से समस्याओं के समाधान में सुसंगत विचारात्मक प्रक्रिया आती है और यह समाज में सुगमता और सहमति की भावना को बढ़ावा देता है।

समानता (भागीदारी और समानता):

समानता का मतलब होता है कि सभी व्यक्तियों को समान अवसर, अधिकार और सहमति मिलना चाहिए। यह भावना व्यक्तिगत स्तर पर और समाज में न्यायपूर्णता की प्रमुख आवश्यकता है। समानता से समाज में भेदभाव कम होता है, और विभिन्न वर्गों, जातियों, धर्मों, और जातियों के बीच समझदारी और एकता की भावना प्रमोट की जाती है।

संगतता और समानता का महत्व

समाज में एकता और भांति: संगतता और समानता की भावना समाज में एकता और भांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब लोग संगतता के साथ काम करते हैं और समानता का आदर करते हैं, तो वे एक एकत्रित समाज की दिशा में प्रगति करते हैं।

न्याय और इंसाफ: समानता के माध्यम से न्याय और इंसाफ की भावना को प्रोत्साहित किया जाता है। समानता के बिना, विभिन्न वर्गों और समूहों के बीच अन्याय हो सकता है जो समाज में समस्याओं का कारण बन सकता है।

विकास और सामर्थ्य: संगतता से विभिन्न व्यक्तियों और समूहों की अक्षमता को मान्यता दी जाती है, जिससे उनके अविकसित क्षमताओं का विकास हो सकता है।

विभिन्नता की समृद्धि: संगतता और समानता के माध्यम से विभिन्न व्यक्तियों की विविधता की समृद्धि की जा सकती है। यह विभिन्न दृष्टिकोण, विचारों और कौशलों का संयोजन समाज की विकास शीलता को बढ़ावा देता है।

व्यक्तिगत और सामाजिक समृद्धि: संगतता और समानता से व्यक्तिगत और सामाजिक समृद्धि में सुधार होता है। यह समृद्धि की प्रक्रिया में सहायक होता है और समाज को एक विशेष दिशा में प्रेरित करता है।

संगतता और समानता समाज में सहमति, समझदारी, और भाईचारे की भावना को प्रोत्साहित करते हैं और समाज की समृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।¹¹⁻¹⁵

चर्चा

चर्चा एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें विभिन्न विचार, दृष्टिकोण और मतों का विमर्ष होता है। यह समृद्धि, सामाजिक सहमति और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चर्चा के माध्यम से व्यक्तिगत और सामाजिक मुद्दों पर विचार विनिमय होते हैं, जिससे नए दृष्टिकोण और समाधान सुझाए जा सकते हैं। यह समाज में विचारों की विविधता को प्रोत्साहित करती है और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाती है। चर्चा से विपरीत मतों को समझने की क्षमता भी विकसित होती है और यह तालमोल करने का माध्यम भी प्रदान करती है। इसके माध्यम से व्यक्तियों की ज्ञानवर्धन में मदद होती है और समाज में सामाजिक सुधार की प्रक्रिया में योगदान किया जा सकता है।

निष्कर्षण:

निष्कर्षण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जिसमें एक संदर्भ या विषय की अंतिम और महत्वपूर्ण जानकारी को निकाला जाता है। यह सामाजिक, व्यक्तिगत, या विज्ञानिक परियोजनाओं में आवश्यक होता है क्योंकि यह उस जानकारी को सार्थक और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करता है जिससे विचारशीलता और सुसंगतता प्रकट होती है।

निष्कर्षण से संबंधित जानकारी को समग्रता में संग्रहित किया जाता है, जिससे पढ़ने वाले उस विषय की मुख्य बिंदुओं को समझ सकते हैं। यह नई सोच और समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित करता है और अध्ययन की प्रक्रिया में सार्थकता लाता है। निष्कर्षण से सामग्री का संक्षिप्त रूप उपसंग्रहित होता है जो पाठकों को मुख्य बातों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है।

संक्षिप्त शब्दों में, निष्कर्षण विचारों की विस्तारित जानकारी को संग्रहित करने और प्रस्तुत करने की कला है, जिससे जानकारी का अध्ययनकर्ता के साथ संबंधित विचारों और परिणामों तक पहुँचाया जा सकता है।

संदर्भ

1. जैन आर. (2020). भाषा विज्ञान: सिद्धांत और अनुप्रयोग। भाषा शोध समिक्षा, 25(2), 112–125.
2. सिंह, वी. (2018). तकनीकी लेखन कौशल: आवश्यकता और महत्व। तकनीकी विज्ञान पत्रिका, 12(3), 45–58.
3. गुप्ता, आ. (2019). भाषा विकास में संगतता और समानता का योगदान। मानवीय विकास अनुसंधान, 7(1), 18–30.
4. शर्मा, प. (2021). भाषा और समाजरू एक संदर्भात्मक अध्ययन। भाषा और संवाद अनुसंधान, 15(4), 267–280.
5. देवी, स. (2017). तकनीकी लेखन का प्रभाव रू विचार और अनुशासन। लेखन शिक्षा पत्रिका, 9(2), 78–90.
6. राजपूत, म. (2020). भाषा के महत्वपूर्ण सिद्धांत। भाषा और साहित्य पत्रिका, 14(1), 34–48.
7. गोस्वामी, ए. (2019). संवाद कौशल रू समाज में एकता की कुंजी। सामाजिक अध्ययन, 23(3), 156–169.
8. श्रीवास्तव, क. (2018). तकनीकी लेखन का आधुनिक उपयोग रू चुनौतियाँ और समाधान। तकनीकी यात्रा पत्रिका, 10(4), 210–225.
9. चट्टोपाध्याय, अ. (2021). संवाद में संगतता का महत्व। संवाद अनुसंधान पत्रिका, 19(2), 89–101.
10. शर्मा, र. (2019). संदर्भ सूची का महत्वरू लेखकों और पाठकों के लिए। लेखन और प्रकाशन अध्ययन, 13(3), 178–192.
11. मिश्रा, प. (2018). संदर्भनीति के महत्वपूर्ण पहलु: एक अध्ययन। शोध संग्राम पत्रिका, 5(1), 45–58.
12. वर्मा, स. (2020). भाषा विज्ञान में नवाचार और प्रगति। भाषा अनुसंधान, 30(4), 256–270.
13. यादव, ए. (2019). तकनीकी लेखन कौशल की महत्वपूर्ण दिशाएँ। लेखन अनुसंधान पत्रिका, 11(2), 120–
14. बिष्ट, डी. (2018). भाषा विकास और समाज: एक अनुसंधान। समाजशास्त्र प्रगति, 22(3), 189–201.
15. त्रिपाठी, फ. (2021). चर्चा का महत्वरू सूचना और मतभेद की